

Times of India 06-March-2021

River cleanup: Review of 13 projects shows progress

Projects Expected To Treat 1,384 Million Litres Of Sewage

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: The National Mission for a Clean Ganga (NMCG) has held a review meeting of the progress made on 13 Yamuna projects designed to reduce raw untreated sewage flowing into the river. These projects are expected to treat 1,384 million litres of sewage for cleaning of the river.

A senior Delhi Jal Board (DJB) official said several projects had made significant progress since the last review and a team from the central Jal Shakti ministry expressed satisfaction about the work at a meeting on Monday.

The two key sewage diversion projects, which have been completed since the last review, include completion of the rising main line from Bharat Nagar to Pitampura and the trunk sewer line rehabilitation for Jhilmil, the official added.

"The rising main pipeline will prevent the sewage from several heavily populated areas from reaching the river channel untreated," he said. The areas include Ashok Vihar, Shastri Nagar, Karol Bagh, Gulabi Bagh, Rampura



MANY BATTLES IN THIS WAR

and Keshavpuram. "The rehabilitated trunk line will divert sewage from Jhilmil Colony and the neighbouring areas to the sewage treatment plant," the official added.

TOI had earlier highlighted how tree felling permission was delaying execution of several STP projects. DJB data shows that 2,901 trees need to be removed under these sewage treatment plants at Rithala and Kondli phases I and II, and the Okhla facility.

The permission for some of these projects have been

pending with the forest department for eight to 14 months. Officials say the work

DJB OFFICIAL SAYS

The work (in Rithala) is likely to be completed in two months and this will reduce the raw sewage from Jahangirpuri, Ashok Vihar and their neighbouring areas

is now progressing as permissions regarding the transplantation of trees on the STP premises have been received from the department.

Other projects in which significant progress has been made include rehabilitation of peripheral sewer line in Rithala. "The work is likely to be completed in the next two months and this will reduce the raw sewage from Jahangirpuri, Ashok Vihar and their neighbouring areas," the official said.

Another key project that is being executed with funds under Namami Gange is setting up of the new Okhla sewage treatment plant, which is expected to be the biggest such facility in the country with a capacity of treating 565 million litres of wastewater every day.

DJB states that 50% of the work at Rithala and Kondli sewage treatment plants, which will reduce pollutant levels in the supplementary drain. Both will be completed before December, officials claim.

The review meeting was chaired by Rajiv Ranjan Mishra, the director general of NMCG.

Rashtriya Sahara 06-March-2021

जलवायु परिवर्तन पर भारत-स्वीडन मिलकर कर सकते हैं काम : मोदी

■ नई दिल्ली (एसएनबी)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भारत और स्वीडन स्मार्ट सिटी, स्मार्ट ग्रिड, ई-मोबिलिटी और अपशिष्ट प्रबंधन समेत कई क्षेत्रों में संबंध प्रगाढ़ कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन जैसे कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी दोनों देश साझेदारी को बढ़ा सकते हैं।

स्वीडन के प्रधानमंत्री स्टीफन लोफवेन के साथ डिजिटल तरीके से आयोजित शिखर सम्मेलन में मोदी ने कहा, हम नवोन्मेष, प्रौद्योगिकी, निवेश, स्टार्ट-अप, अनुसंधान में दोनों देशों के रिश्तों को और आगे बढ़ा सकते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र, मानवाधिकार, कानून का शासन, समानता, स्वतंत्रता और न्याय जैसे साझा मूल्य भारत और स्वीडन के बीच संबंधों और आपसी सहयोग को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा, स्मार्ट सिटी, जल शोधन, अपशिष्ट प्रबंधन, सिक्यूरिटी, इकोनॉमी, स्मार्ट ग्रिड, ई-मोबिलिटी, डिजिटल कार्यालय समेत कई क्षेत्रों में हमारे संबंध और प्रगाढ़ हो सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने स्वीडन में हाल के हिंसक हमलों के लिए सभी भारतीय नागरिकों की ओर से स्वीडन के लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त की और घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। मोदी ने कहा कि जलवायु परिवर्तन का महत्वपूर्ण मुद्दा दोनों देशों की प्राथमिकता में शामिल है और दोनों इस पर मिलकर काम कर सकते हैं। उन्होंने कहा, भारत की संस्कृति ने हमेशा प्रकृति के साथ सामंजस्य बँटाने के महत्व पर जोर दिया है।



Rajasthan Patrika 06-March-2021

प्रदेश में शहरी जल जीवन मिशन 1 से

**बेहतर प्रबंधन के लिए
बनेगी कोर कमेटी**

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर, प्रदेश में ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर पेयजल कनेक्शन के लिए चल रहे जल जीवन मिशन की तरह ही 1 अप्रैल से शहरी जल जीवन मिशन भी शुरू होगा। जिसमें जयपुर समेत प्रदेश के सभी जिलों के शहरी क्षेत्रों में किसी भी पेयजल योजना में पेयजल कनेक्शन से वंचित पेयजल उपभोक्ताओं को कनेक्शन जारी किए जाएंगे।

जलदाय विभाग के सूत्रों के अनुसार शहरी जल जीवन मिशन के बेहतर क्रियान्वयन के लिए जलदाय विभाग के आला अफसरों की एक कोर कमेटी गठित होगी। वहीं जल



जीवन मिशन के क्रियान्वयन में रही खामियों की भी एक रिपोर्ट तैयार की जा रही है।

असल में प्रदेश में अभी ग्रामीण क्षेत्रों में जल जीवन मिशन चल रहा है। लेकिन यह मिशन कुप्रबंधन का शिकार है और दिल्ली तक राज्य सरकार की किरकिरी हो रही है। क्योंकि मौजूदा वित्तीय वर्ष में 20 लाख अब पेयजल कनेक्शन के मुकाबले महज 4 लाख पेयजल कनेक्शन ही हो सके हैं।

जलदाय विभाग के आला

अधिकारी शहरी जल जीवन मिशन के लागू होने से पहले जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन में रही खामियों की एक रिपोर्ट भी बना रहे हैं। जिससे यह पता चल सके कि किन खामियों के कारण प्रदेश में जल जीवन मिशन की इतनी स्थिति खराब रही। उन कमियों को दुरुस्त कर शहरी क्षेत्रों में जल जीवन मिशन को शुरू किया जाएगा। कोर कमेटी इन कमियों को दूर करते हुए ही मिशन को आगे बढ़ाएगी।

जलदाय विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधांशु पंत ने बीते दिनों मिशन के क्रियान्वयन को लेकर अफसरों की बैठक ली और एक कोर कमेटी के गठन के निर्देश दिए। अब आगामी दिनों में यह कमेटी गठित हो जाएगी और मिशन के क्रियान्वयन के लिए रणनीति बनाएगी।